- खगडिया संस्करण
- वर्ष: 5
- अंक: 159
- मूल्य ₹ 1.00
- पृष्ठ 04
- Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

दैनिक बिहार पत्रिका DAINIK BIHAR PATRIKA

पटना। शनिवार, 5 अक्टूबर 2024 | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

शारदीय नवरात्र के दुसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की कि गई पूजा अर्चना

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बौंसी, बांका। बौसी प्रखंड क्षेत्र में शारदीय नवरात्र के दुसरे दिन शुक्रवार को मां ब्रह्मचारिणी की पूजा अर्चना की गयी। शारदीय नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा अर्चना की जाएगी। कलश स्थापना के साथ ही वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूरा प्रखंड क्षेत्र गुंजायमान हो गया है। हालांकि दुर्गा पूजा का माहौल 2 दिन पूर्व से ही दिखने लगा था। पंडितों की मानें तो जो मां ब्रह्मचारिणी की पूजा के लिए समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि जो लोग नौ दिन के व्रत का पालन कर रहे हैं, उन्हें मां ब्रह्मचारिणी की कथा का पाठ जरूर करना चाहिए, क्योंकि इसके बिना व्रत पूर्ण नहीं माना जाता है, पौराणिक कथाओं के अनुसार, माता ब्रह्मचारिणी हिमालय और देवी मैना की पुत्री हैं, जिन्होंने नारद मुनि के कहने पर शिव जी की कठोर तपस्या की थी के बाद ऐसा ही हुआ। बता दें, मां ब्रह्मचारिणी की पूजा से सर्वसिद्धि की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने से जीवन में अच्छे गुण आते हैं। साथ ही आपके अंदर त्याग, सदाचार और संयम की भावना बढ़ती और इसके प्रभाव से उन्होंने शिवजी को पति के रूप में प्राप्त किया था। इस कठिन तपस्या के कारण इन्हें तपश्चारिणी अर्थात् ब्रह्मचारिणी नाम से जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि तपस्या के दौरान देवी ने तीन हजार वर्षों तक टूटे हुए बिल्व पत्र खाए थे। वे हर दुख सहकर भी शंकर जी की आराधना करती रहीं। इसके बाद तो उन्होंने बिल्व पत्र का भी त्याग कर दिया था। फिर कई हजार वर्षों तक उन्होंने निर्जल व निराहार रहकर तपस्या की, जब उन्होंने पत्तों को खाना छोड़ा तो उनका नाम अपर्णा पड़ गया। घोर तपस्या के कारण देवी का शरीर एकदम क्षीर्ण हो गया। जिसे देखकर देवता, ऋषि, सिद्धगण, मुनि सभी ने ब्रह्मचारिणी की तपस्या को अभूतपूर्व पुण्य कृत्य बताकर सराहना की और कहा कि "हे देवी आपकी तपस्या जरूर सफल होगी"। फिर कुछ समय

है। ऐसी मान्यता है कि मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने से भक्तों को जीवन में आने वाली सभी बाधाओं और कठिनाइयों से मुक्ति मिलती है। यह तप, त्याग, संयम और सदाचार जैसे गुणों को भी बढ़ावा देती है, जो आध्यात्मिक उन्नति के लिए आवश्यक माने जाते हैं। मां ब्रह्मचारिणी, ज्ञान और विद्या की देवी हैं, जो अपने भक्तों को विजय दिलाती हैं। देवी का रूप अत्यंत सरल और सुंदर है। श्वेत वस्त्र धारण किए, एक हाथ में अष्टदल की माला और दूसरे हाथ में कमंडल लिए हुए हैं। ब्रह्मचारिणी का अर्थ है ब्रह्मचर्य का पालन करने वाली। यह देवी, संसार के सभी जीवों और निर्जीव वस्तुओं के ज्ञान की स्वामिनी हैं। इनके हाथों में मौजूद अक्षयमाला और कमंडल, शास्त्रों और तंत्र-मंत्र के ज्ञान का प्रतीक हैं। अपने भक्तों को यह अपनी सर्वज्ञ संपन्न विद्या देकर विजयी बनाती है। ब्रह्मचारिणी का स्वभाव बहुत ही शांत और दयालु है। दूसरी देवियों के मुकाबले में यह देवी जल्दी प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों को वरदान देती हैं और हर मनोकामना पूर्ण करती हैं। पढ़ने वाले बच्चों को मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने से ज्ञान और विद्या धन की प्राप्ति होती है। मुख्य रूप से बौंसी पुरानी हॉट स्थित दुर्गा मंदिर, कुड़रो दुर्गा मंदिर, गोकुला दुर्गा मंदिर, चांदन डैम स्थित वैष्णवी दुर्गा मंदिर, श्याम बाजार दुर्गा मंदिर, सिकंदरपुर दुर्गा मंदिर, गोलहट्टी दुर्गा मंदिर, भंडारीचक दुर्गा मंदिर सहित अन्य मंदिरों में मां ब्रह्मचारिणी की पूजा अर्चना की गई।

छपरा: पूजा समितियों को बनवाना होगा लाइसेंस: सोनपुर थानाध्यक्ष

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

दुर्गापूजा की शुरुआत के साथ ही विधि व्यवस्था तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से सोनपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। जिसमें थानाध्यक्ष राजनंदन ने उपस्थित सदस्यों को बताया कि दुर्गापूजा के दौरान पुलिस गश्ती की विशेष व्यवस्था रहेगी। विभिन्न पंडालों में पुलिस की तैनाती की जाएगी। शांति भंग करने वालों तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण में खलल पहुंचाने वालों की खैर नहीं होगी। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों को यह भी जानकारी दी गई कि किसी भी हालत में डीजे का प्रयोग न करें। साथ ही लाइसेंस बनवाना अनिवार्य होगा।

अवैध ऑनलाइन गतिविधि, कैंटीन संचालक पर छापेमारी, अलॉटमेंट रद्द

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

बांका: एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में, जिला पदाधिकारी बांका के निर्देश पर अपर समाहर्ता (लोक शिकायत निवारण) और जिला आईटी प्रबंधक ने संयुक्त रूप से पुलिस अधिकारियों के साथ प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय स्थित कैंटीन रूम में छापेमारी की। यह कदम तब उठाया गया जब दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से यह जानकारी मिली कि धर्मवीर कुमार नामक व्यक्ति कैंटीन से अवैध रूप से ऑनलाइन कार्य कर रहा है। जांच के दौरान, कैंटीन संचालक ने बताया कि वह फोटोकॉपी और संबंधित सेवाएं प्रदान कर रहा था, जबकि उसे प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा केवल कैंटीन संचालन के लिए यह स्थल आवंटित किया गया था। हालांकि, छापेमारी में कंप्यूटर या प्रिंटर जैसी कोई भी तकनीकी उपकरण वहां नहीं पाए गए। संचालक ने बताया कि उसने एक दिन पूर्व ही सभी उपकरण वहां से हटा लिए थे। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए धर्मवीर कुमार का कैंटीन संचालन का अलॉटमेंट रद्द कर दिया है। पुलिस ने धर्मवीर कुमार को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है और प्रखंड विकास पदाधिकारी से यह स्पष्टीकरण मांगा है कि उनके परिसर में अवैध गतिविधि क्यों चल रही थी और इसे समय रहते रोका क्यों नहीं गया। जिला पदाधिकारी बांका के इस त्वरित और सख्त कदम से स्पष्ट है कि वह इस तरह के अवैध कृत्यों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने में संकोच नहीं करते। मामले की पूरी जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ आगे की कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कहानी संग्रह "सत्यांशी " का विमोचन 6 अक्टूबर को

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

प्रगतिशील साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संगठन "विकल्प " के तत्वावधान में प्रसिद्ध जन साहित्यकार व अधिवक्ता चन्द्रभूषण प्रसाद वर्मा द्वारा लिखित कहानी संग्रह "सत्यांशी " का विमोचन शहर के नई बाजार स्थित होनहार किंडरगार्टन कैम्पस छपरा में 6 अक्टूबर को होगी। इस विमोचन कार्यक्रम में जिले एवं जिले से बाहर के कई साहित्यकार, सामाजिक चिंतक, बुद्धिजीवी व शिक्षाविद शामिल होंगे। इस आशय की जानकारी "विकल्प "के प्रदेश उपाध्यक्ष सह शिक्षक नेता एवं राजकीयकृत प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश महासचिव तसौवर हुसैन ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

हड़ताल के तीसरे दिन 102 एंबुलेंस कर्मियों ने सिविल सर्जन का किया घेराव

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के आह्वान पर 102 एंबुलेंस कर्मियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल के तीसरे दिन सदर अस्पताल से एक प्रदर्शन जुलूस निकाला, जो कि अस्पताल के बाहर कुछ कदम तक नारेबाजी करने के बाद पुनः अस्पताल परिसर में गया। जहां उन लोगों के द्वारा सिविल सर्जन का घेराव किया गया,हालांकि सिविल सर्जन डॉ० सागर दुलाल सिन्हा के द्वारा सार्थक पहल किए जाने से एंबुलेंस कर्मी खुश नजर आए। इस मौके पर एंबुलेंस महासंघ के प्रदेश संयोजक मोबस्सीर हुसैन ने बताया कि जिला स्वास्थ्य समिति के सचिव सिविल सर्जन के द्वारा उन्हें हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया गया है, जिससे वह काफी संतुष्ट है। अब उनके द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल के तीसरे चरण में जिला स्वास्थ्य समिति के

पदेन अध्यक्ष सारण डीएम अमन समीर के कार्यालय का घेराव कर उन्हें ज्ञापन सौंपा जाएगा। बता दें कि अपनी चार सूत्री मांगों को लेकर 102 एंबुलेंस चालक व ईएनटी कर्मियों ने छपरा सदर अस्पताल में धरना पर बैठे हैं।

बांका: 110 आंगनवाड़ी केन्द्रों का होगा जीर्णोद्धार

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

बांका: जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार के निर्देश के आलोक में बांका जिला के अन्य 110 आंगनबाड़ी केंद्रों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। जिसे पूरा करने का निर्देश सभी कार्यक्रम पदाधिकारी एवं सीडीपीओ को दिया गया है। पूर्व में भी जिला प्रशासन के द्वारा 110 आंगनबाड़ी केंद्रों का जीर्णोद्धार कराया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों के जीर्णोद्धार की पहल को लेकर सभी जगह जिला पदाधिकारी बांका की मुक्त कंठ से प्रशंसा की गई है। जिला पदाधिकारी बांका के द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण एवं जीर्णोद्धार दोनों सर्वोच्च प्राथमिकता में रहती है। कुछ ही दिन पूर्व खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के माध्यम से 110 आंगनबाड़ी केंद्रों का जीर्णोद्धार कराया गया था ।इस बार पुनः सभी कार्यक्रम पदाधिकारी और सीडीपीओ को 110 आंगनबाड़ी केंद्रों का जीर्णोद्धार का लक्ष्य दिया गया है ताकि बांका जिला को फिर से 110 आंगनबाड़ी केंद्र नए कलेवर में प्राप्त हो सके जहां पर बच्चे आनंदपूर्वक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं पोषण ग्रहण कर सके।

छपरा शहर में ई-रिक्शा एवं ऑटो के परिचालन हेतु रूट निर्धारण के लिए बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

छपरा शहर में सुगम यातायात व्यवस्था के उद्देश्य से ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा के रूट निर्धारण हेतु प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को प्रमंडलीय आयुक्त गोपाल मीणा की अध्यक्षता में बैठक आहुत की गई। जिलाधिकारी सारण श्री अमन समीर ने बताया कि शहर में ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा के परिचालन के लिये अलग अलग रुट चिन्हित किया गया है। साथ ही ऑटो पड़ाव के लिए संभावित स्थल के रूप में गांधी चौक, दरोगा राय चौक, सरकारी बस स्टैंड, मेथवलिया चौक एवं नेवाजी टोला को चिन्हित किया गया है।

आयुक्त ने सभी चिन्हित रुट पर ट्रैफिक लोड का सर्वे/आकलन कर आवश्यक्तानुसार ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा के परिचालन की अनुमति देने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक तौर पर विभिन्न रुट में ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा के परिचालन की अनुमति दी जा सकती है। इसके उपरांत आम लोगों एवं अन्य स्टेक होल्डर्स से फीडबैक/सुझाव प्राप्त कर इसे अंतिम रूप दिया जा सकता है। कुछ प्रतिशत ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा को रिज़र्व में किसी भी रुट में जाने की छूट का प्रावधान भी किया जाना चाहिये। सभी ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा का नियमानुसार निबंधन अनिवार्य है, इसे सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके लिये दुर्गा पूजा के बाद अभियान चला कर कार्रवाई का निदेश दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी अमन समीर, उपविकास आयुक्त यतेंद्र कुमार पाल, प्रभारी जिला परिवहन पदाधिकारी कमर आलम, पुलिस उपाधीक्षक यातायात बसंती टुडू सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नारायणपुर रेलवे स्टेशन पर से दुकानदार का सामान चोरी

दैनिक बिहार पत्रिका

कटिहार-बरौनी रेलखंड के नारायणपुर स्टेशन पर गुरुवार की रात करीब दो बजे खगड़िया जिला अंतर्गत सलारपुर की दुकानदार मदीना खातून का सामान चोरी हो गया। मदीना का सामान लगभग चालीस हजार का था। मदीना कहती है कि वह सलारपुर गांव की कुछ महिलाओं के साथ पटना से श्रृंगार का सामान खरीदकर लाई थी। सलारपुर में मदीना श्रृंगार का दुकान करती हैं। जीआरपी में हवलदार पदाधिकारी कमलकिशोर ठाकुर ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई होगी।

चयनित लोगों बिच चयन पत्र वितरित

दैनिक बिहार पत्रिका

गया।मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना के चयनित लोगों जिला परिवहन अधिकारी द्वारा चयनित लोगों बिच चयन पत्र वितरित के चयनित लोगों के बीच जिला परिवहन पदाधिकारी गया,मोटरयान निरीक्षक गया,प्रवर्तन निरीक्षक गया और प्रवर्तन अवर निरीक्षक गया के उपस्थिति में चयन पत्र का किया गया वितरण।ग्रामीण परिवहन और स्वरोजगार को मिलेगा बल।

प्रेमिका की हाई वोल्टेज ड्रामा प्रेमी हुआ मजबूर, पुलिस के पहल पर प्रेमिका ने रचाई दूसरी शादी

दैनिक बिहार पत्रिका/ उमाकांत साह

चांदन/बांका: खबर बांका जिला के चांदन थाना क्षेत्र कि है, जहां एक युवती ने चांदन थाना परिसर में हाईवोल्टेज ड्रामा कर अपने प्रेमिका से दुसरी शादी रचा कर इतिहास इतिहास रचा ली है।सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चांदन थाना क्षेत्र के गौरीपुर गांव निवासी भरत सिंह के पुत्र भोला सिंह व बेलहर थाना क्षेत्र के पंचरुखी गांव निवासी अर्जुन सिंह के शादी शुदा पुत्री मीना कुमारी से विगत दो वर्षो से प्यार मोहब्बत का चक्कर चल रहा है। इसी बीच अर्जुन सिंह ने बेटी कि शादी गिरिडीह जिला के मधुबन थाना अंतर्गत अम्मा टांड़ निवासी कांशी सिंह के पुत्र अंकुल सिंह के साथ हिन्दू रिवाज के साथ करा दिया गया था। बावजूद दोनों प्रेमी जोड़े का प्यार इस कदर बढ़ा हुआ था कि, प्रेमिका अपने पति को ठुकरा कर प्रेमी के साथ जीने मरने कसमें खा ली। लेकिन प्रेमी भोला सिंह अपने माता-पिता के दबिश में आकर प्रेमिका से शादी करने कि बात से इंकार कर दिया। जिसके बाद बाद थक हार कर प्रेमिका मीना कुमारी ने दो अक्टूबर को चांदन थाना पहुंचकर प्रेमी भोला सिंह के खिलाफ, शादी कि प्रलोभन और यौन शोषण का मामला दर्ज कर इंसाफ कि गुहार लगाती हुई डटीं रहीं, अंत में चांदन थाना पुलिस के पहल पर गौरीपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि प्रमोद मंडल आदि ग्रामीणों द्वारा प्रेमी भोला सिंह के पिता भरत सिंह को रजामंदी करा कर चांदन थाना पुलिस अभिरक्षा में पांडेयडीह मोड़ अवस्थित शिव मंदिर में बाबा भोलेनाथ को शाक्षी मानकर शादी करा दिया गया। और पुलिस कि मौजूदगी में दोनों प्रेमी जोड़े को गौरीपुर गांव भेज दिया। इस शादी को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है।

श्री रौनीयार वैश्य दुर्गा पूजा समारोह द्वारा कलश स्थापित किया गया

दैनिक बिहार पत्रिका/गया

गया। श्री रौनियार वैश्य समाज के सदस्यों द्वारा आज सुबह पुरे विधि वीधान से दुर्गा पूजा का क्लश स्थापित किया गया पुरी विधि विधान से रौनियार वैश्य युवा समिति द्वारा आयोजित किया गया है। आगे वरिष्ठ समाजसेवी ने बताया कि दुर्गा पूजा पिछले पच्चासी वर्षो से लगातार धूम धाम से मनाया जा रहा है और दुर्गा पूजा में धन का संग्रह भी सिर्फ रौनियार जाति के भाई बहनों के अंशदान से होता आ रहा है और एक उल्लेखनीय बात यह है कि पूरे भारतवर्ष में सिर्फ गया में ही केवल रौनियार जाति के भाई बहनों के योगदान से दुर्गा पूजा संपन्न किया जाता है यह हम सबके के लिए बहुत ही गौरव की बात है अतः मैं गया में रहने वाले सभी स्वजाति भाई बहनों से अनुरोध करता हूं कि आप स्वयं एवम अपने परिवार के लोगों द्वारा भी दुर्गा पूजा हेतु अधिक से अधिक सहयोग करें और करवाएं ,एक अनुरोध और भी है कि अगर आपके परिवार के कोई सदस्य गण के बाहर भी रहते हैं तो उनसे भी दुर्गा पूजा हेतु सहयोग करवाएं और उनसे रौनियर दुर्गा पूजा समिति के निम्नलिखित खाता में ऑन लाइन ट्रांसफर भी करवा सकते है।

वीआईपी स्कूल में आईजी ने छात्र-छात्राओं को दिया सफलता का टिप्स

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

विवेकानंद इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में शिमला के आईजी आईपीएस अधिकारी जय प्रकाश सिंह ने छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया। इससे पहले संस्थान के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रखंड प्रमुख विपिन कुमार सिंह ने स्वागत अंगवस्त्र और बुके देकर किया। आईजी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें अपने कर्म और लक्ष्य के प्रति दृढसंकल्पित रहना अति आवश्यक है। विद्यार्थियों में परीक्षा का दबाव कम करने तथा बेहतरीन योग्यता प्राप्त करने के उद्देश्य से सभी छात्र-छात्राओं को अभिप्रेरित और मार्गदर्शित करते हुए कहा कि अध्ययन के प्रति रोचकता और जूनून का होना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि हमारी रूचि अधिकांशत: नकारात्मक तथ्य में ही होती है, परन्तु इसके विपरीत हमें वही रूचि उन तथ्य में लानी होंगी जिसपर हमारा उज्जवल भविष्य टीका हुआ है। उन्होंने 10वी बोर्ड, 12वी तथा आईआईटी जी नीट आदि की सफलतम तैयारी कैसे करें, इस तथ्य पर भी बच्चो के साथ चर्चा की तथा परीक्षा के दौरान होने वाले समस्या समाधान हेतु भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस संस्थान के बच्चों का प्रयास काबिले तारीफ़ है। विद्यालय के बच्चो ने भी आईजी के महत्वपूर्ण तथ्यो का अवलोकन करते हुए अपने विचारों को उनके समक्ष रखा। उनके प्रेरणादायी बातों ने सभी विद्यार्थियों को आकर्षित कर उनमे एक नया जूनून पैदा कर दिया। सभी में ख़ुशी का माहौल कायम हो गया।

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक की गयी आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका

कुमार चंदन/बांका: अनुमंडल पदाधिकारी,बांका के अध्यक्षता में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक अमरपुर थाना में आयोजित की गई। इसके साथ-साथ कैंप कोर्ट का आयोजन किया गया। जितने भी थाना स्तर से धारा 126 बी0एन0एस0एफ0 के तहत दुर्गा पूजा के दृष्टिगत जितने भी प्रस्ताव प्राप्त हुआ थे चिन्हित व्यक्तियों से अंतरिम बंध पत्र भी कैंप कोर्ट में प्राप्त किया गया। इस बैठक में गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया और त्योहार को आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई। तथा पुजा के दौरान जिला प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी, बांका द्वारा उपस्थित सभी दूर्गा पूजा समिति सदस्यों को निर्देश दिया गया कि अपने अपने मंदिर प्रांगण का सीसीटीवी अधतन स्थिति में रखेंगे। साथ ही निर्देशित किया गया कि मंदिर प्रांगण या मेला प्रांगण में अगर विद्युत ट्रांसफार्मर अधिष्ठापीत हो तो उक्त जगह का बैरिकेटिंग कराना सुनिश्चित करेंगे।

अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया कि मेला प्रांगण या मंदिर के आसपास जहां भीड़ भाड़ होती हो वहां अगर कोई जर्जर स्थिति में भवन हो तो उक्त स्थल पर बैनर के माध्यम से लोगों को सचेत करे ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।

मुखिया एवं पशु चिकित्सक ने किया मोबाइल पशु चिकित्सा का शुभारंभ

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

बाराहाट: प्रखंड के सोनडीहा दक्षिणी पंचायत में शुक्रवार को मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर सोनडीहा दक्षिणी के मुखिया निजाम दुर्रानी और पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनुरंजन कुमार रवि ने संयुक्त रूप से इसका उद्घाटन किया. इस मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों को उनके घर पर ही पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है, जिससे बीमार पशुओं को अस्पताल ले जाने की कठिनाइयों से बचा जा सके. डॉ अनुरंजन कुमार रवि और मुखिया निजाम दुर्रानी ने बताया कि यह सेवा जीपीएस युक्त वाहनों के माध्यम से प्रदान की जाएगी, जिनमें पशु चिकित्सा से संबंधित आधुनिक सुविधाएं मौजूद होंगी. इनमें लघु सर्जरी, दवाइयां, और कृत्रिम गर्भाधान की सुविधाएं भी शामिल हैं. पशुपालकों की सहायता के लिए राज्य मुख्यालय में एक कॉल सेंटर भी स्थापित किया गया है, जिसमें अनुभवी पशु चिकित्सक और कॉल सेंटर एक्जीक्यूटिव तैनात रहेंगे. पशुपालक सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक टोल-फ्री नंबर 1962 या मोबाइल ऐप के जरिए पशु चिकित्सा सेवाओं के लिए संपर्क कर सकते हैं. कॉल सेंटर में टेलीमेडिसिन की सुविधा भी उपलब्ध होगी, जिससे पशु चिकित्सक दूरस्थ क्षेत्रों के पशुपालकों को चिकित्सा परामर्श प्रदान कर सकेंगे. मौके पर मोबाइल पशु चिकित्सा चिकित्सक डॉ सत्यम त्यागी सुबोध हरिजन पशु सहायक विपिन कुमार सिंह, शशांक कुमार कुमार सुमन निहार रंजन विक्रांत एवं ग्रामीण उपस्थित रहे|

आपूर्ति टास्क फोर्स की बैठक की गई आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

बांका: अपर समाहर्ता विभागीय जांच, बांका के अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आपूर्ति टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी मार्केटिंग अधिकारी (MO) को जन - वितरण प्रणाली विक्रेता के माध्यम से सभी लाभुकों का ई-केवाईसी करने का निर्देश दिया गया।

इसके साथ-साथ ऑनलाइन राशन कार्ड की लंबित आवेदनों का निष्पादन करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, बांका सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों के साथ की बैठक, दिए कई निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

फुल्लीडूमर/बांका: प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी फुल्लीडुमर नवीन कुमार ने शुक्रवार को प्रखंड सभागार में प्रखंड के सभी जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों के साथ एक आवश्यक बैठक की। बैठक में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के सभी पीडीएस दुकानदारों को निर्देश देते हुए शत प्रतिशत राशन कार्ड में अंकित लाभुकों का ई केवाईसी कराने की बात कही। इसको लेकर प्रतिदिन पॉश मशीन के माध्यम से छूटे हुए लाभुकों का ई केवाईसी लाभुक से संपर्क कर सक्रिय रूप से करने का निर्देश दिया गया। आगे उन्होंने लाभुकों से भी ई केवाईसी करने में सहयोग करने की अपील की, ताकि कोई भी राशन कार्ड में अंकित लाभुक सरकार के कल्याणकारी योजना से वंचित नहीं हो सकें। वहीं इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले डीलरों के खिलाफ कार्रवाई भी करने की बात बैठक में कही गई। आयोजित बैठक में मुख्य रूप से जन वितरण प्रणाली के दुकानदार सतीश चंद्र राय, शंकर यादव, नवल किशोर साह, लक्ष्मण प्रसाद साह ,मुरारी साह, पूरन मंडल, विनोद कुमार दास, विभीषण झा, अमित कुमार, सुरेंद्र सिंह ,राजेंद्र यादव ,डाटा ऑपरेटर मयंक कुमार सहित प्रखंड के सभी डीलर उपस्थित थे।

जिला पदाधिकारी द्वारा ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल बांका 1 एवं 2 से संबंधित बैठक में लंबित योजना को पूर्ण करने का दिया गया निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

बांका:जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार की अध्यक्षता में ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल बांका 1 एवं 2 से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, बंका 2 द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 13 योजना ली गई है जिसमें से 7 योजना पूर्ण है। जिला पदाधिकारी द्वारा शेष लंबित योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत कुल 18 योजना ली गई है जिसमें से 12 योजना पूर्ण है शेष 6 में कार्य प्रगति में है। कार्यपालक अभियंता द्वारा बताया गया कि इस माह के अंत तक दो योजना पूर्ण कर लिया जाएगा। कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, बांका 1 द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 18 योजनाओं में से 14 पूर्ण कर लिया गया है शेष लंबित है। जिला पदाधिकारी द्वारा लंबित योजना को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना (BRICS/NDB) Tranche III में 29 योजनाएं ली गई है। जिसमें से 10 पूर्ण कर लिया गया है।

कार्यपालक अभियंता द्वारा बताया गया कि तीन योजना इस माह के अंत तक पूर्ण कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना (अवशेष) अंतर्गत 64 योजनाओं में से 11 योजना पूर्ण कर ली गई है। कार्यपालक अभियंता द्वारा आश्वासन दिया गया कि इस माह के अंत तक चार योजना पूर्ण कर ली जाएगी।

कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र प्रारंभ

दैनिक बिहार पत्रिका

परबत्ता प्रखंड के भरतखण्ड ड्योढी गांव गंगा किनारे अवस्थित दुर्गा मंदिर में कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र आरंभ हो गया है। सौ ढ उत्तरी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि उमेश कुमार सिंह ने बताया कि भरतखण्ड ड्योढी में सबसे पहले दुर्गा पूजा की शुरुआत 1780 ईस्वी से निर्पाबती कुमरी पति जुगल प्रसाद सिंह ने किया था। निर्पाबती कुमारी को 1780 में मां दुर्गा स्वपन में दर्शन देकर पूजा करने के लिए प्रेरित किया था। तब से सिद्धपीठ दुर्गा मंदिर भरतखण्ड ड्योढी में पूजा हो रहा है। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि 250 वर्ष पुराना दुर्गा मंदिर में शारदीय नवरात्र को लेकर भक्तों में उत्साह देखा जा रहा है। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि भरतखण्ड ड्योढी दुर्गा मंदिर की महिमा अपरम्पार होने के कारण दुर्गा मंदिर को पूजा कमिटी की और से आकर्षक ढंग से सजाया संवारा जा रहा है। भरतखण्ड ड्योढी दुर्गा मंदिर में बुद्धनगर भरतखण्ड, दुधैला, कोरचक्का, विकासनगर, यदुवंश नगर, दर्जनों गांवों से लोग मेला देखने आते हैं।

जन सुराज पार्टी एवं प्रथम अध्यक्ष मनोज भारती के घोषणा होने पर किया हर्ष व्यक्त, दिया वधाई साधुवाद

दैनिक बिहार पत्रिका

प्रतिनिधि, गोगरी/ खगड़िया|जनता का सुंदर राज्य बनाने हेतु पार्टी की घोषणा एवं प्रथम अध्यक्ष की योग्यता अनुभव, विकसित बिहार एवं शिक्षा व रोजगार हेतु भविष्य में होगा मील का पत्थर साबित - किरण देव यादव खगड़िया। जन सुराज के जिला महासचिव सह जिला चुनाव अधिकारी किरण देव यादव ने जन सुराज पार्टी का घोषणा होने एवं मनोज भारती का अध्यक्ष चुने जाने पर हार्दिक बधाई शुभकामनाएं एवं दिल की गहराई से बिहार की तमाम जनता एवं सूत्रधार प्रशांत किशोर को साधुवाद दिया है। श्री यादव ने कहा कि उक्त फैसले से बिहार की जनता के भविष्य के लिए एवं शिक्षा व रोजगार के सवाल पर जन सुराज पार्टी मील का पत्थर साबित होगी।श्री यादव ने कहा कि मधुबनी के अनुसूचित जाति के मनोज भारती नेतरहाट में पढे, कानपुर से आइआइटी किये, दिल्ली आईआईटी से आईएफएस बने, वहीं कई देशों में भारतीय राजदूत रहे। उनकी योग्यता अनुभव बिहार की विकास, बदलाव एवं सुनहरे भविष्य हेतु एक नया आयाम लिखेगा, एक नया बिहार का निर्माण होगा। तथा जनता के द्वारा जनता के लिए जनता का एक सुंदर राज्य जन सुराज का बनेगा।समाजसेवी किरण देव यादव ने कहा कि जन सुराज के स्थापना महाधिवेशन का ऐतिहासिक आयोजन वेटनरी कॉलेज के मैदान में लगभग एक लाख साक्षियों संस्थापक सदस्यों के सहभागिता के साथ हुई। कार्यक्रम खुली आकाश में हुई। कार्यक्रम स्थल पर 6 किलोमीटर पैदल चलकर पहुंच कर तेज धूप उमस पसीना से लथपथ लोगों की दृढ़ संकल्प लक्ष्य के समक्ष प्रकृति को झुकना पड़ा और अंततः घने काले बादल ने फूहार से प्रकृति ने आम जनों को गर्मी से ठंडक की राहत पहुंचाई। अकस्मात मौसम में परिवर्तन का यह संकेत बिहार की सत्ता व व्यवस्था परिवर्तन का शुभ संकेत के रूप में प्रकृति ने भी समर्थन किया। कार्यक्रम की शुरुआत द्वय संचालक के द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा की भूमिका के साथ तथा इतनी शक्ति हमें देना दाता कि मन का विश्वास कभी कम ना होना, प्रार्थना से हुई। तत्पश्चात भारतीय संविधान प्रस्तावना का पाठ किया गया। वहीं कार्यक्रम में बिहार की राजनीति, सत्ता की दोहरी चरित्र, राज्य एवं देश की समस्या, समाधान आधारित जनगीत की प्रस्तुति ने दर्शकों का तालियां बटोरी।

कार्यक्रम को पूर्व केंद्रीय मंत्री देवेंद्र यादव, गणितज्ञ केसी, सिंहा, पूर्व सांसद मुनाजिर हसन ने संबोधन किया। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर द्वारा पांच संकल्प की विस्तृत जानकारी दिए एवं पार्टी का नाम "जन सुराज पार्टी" की घोषणा किया गया। साथ ही प्रथम अध्यक्ष के रूप में अनुसूचित जाति से मनोज भारती का नाम प्रस्तावित कर जनसैलाब के समूहों से तालियां के गड़गड़ाहट के बीच घोषणा किये, एवं कई मुद्दे पर तालियां बजवाकर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित की गयी। 2024 के नवंबर माह में बिहार विधानसभा के पांच उपचुनाव में जन सुराज की उम्मीदवार खड़ा कर सत्तासीन को हराने की अभियान जारी रखने का घोषणा किये। तथा 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में 243 सीटों पर चुनाव लड़कर सरकार बनाने का आत्मविश्वास के साथ घोषणा किये।प्रशांत किशोर ने अपने संबोधन में कहा कि शराबबंदी को समाप्त कर शराब के टैक्स से बेहतर शिक्षा रोजगार देने, एवं महिलाओं को लोन देने, वृद्धा पेंशन 2000 रुपए मासिक करने की घोषणा किये। वहीं जमीन सर्वे के बजाय भूमि सुधार करने की वकालत किये। उन्होंने पदयात्रा जारी रखने एवं रणनीतिकार की महत्वपूर्ण भूमिका बखूबी निभाने की बात कही।

बाढ़ के पानी मे चावल फेंकने के मामले मे सरपंच ने कार्यवाही करने की मांग की

दैनिक बिहार पत्रिका

गोगरी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बोरना के एक विद्यालय के द्वारा दस बोरा चावल को बाढ़ के पानी मे फेंक कर बर्बाद करने का मामला एक बार फिर सुलगता जा रहा है। इस मामले मे बोरना सरपंच नवल किशोर सिंह ने प्राथमिक विद्यालय छोटी बोरना के प्रधाध्यापक संजय ठाकुर के खिलाफ जिलाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी गोगरी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी आदि को आवेदन दिया है। इस मामले मे सरपंच ने कहा की उक्त विद्यालय के प्रधानाध्यापक की लापरवाही एवं संलिप्तता के कारण लगभग दस बोरा चावल को बाढ़ के पानी मे बहा दिया गया।इसका वीडियो उपलब्ध है।बिना विद्यालय शिक्षा समिति के सहमति से चावल को कहीं ले जाना या चावल को बर्बाद कर देना गैर कानूनी है। इस चावल को स्कूली बच्चों को खिलाया जा सकता था या चावल को बर्बादी रोकने के लिए बच्चों के बीच बांटा जा सकता था। लेकिन प्रधाध्यापक की मनमानी के कारण ऐसा किया गया। प्रधानाध्यापक दवरा बार बार मनमानी की जाती है।सरकारी वस्तु को जनहित मे उपयोग न कर स्वार्थ के कारण क्षति पहुँचाते हैं।सरपंच द्वारा उक्त विद्यालय के प्रधानाध्यापक पर कार्यवाई करने की मांग किया है। इस मामले मे अनुमंडल पदाधिकारी सुनंदा कुमारी ने कहा की जाँच कर उचित कार्यवाही की जायेगी।

असल में मेरी कोई आदर्श भूमिका नहीं: करीना कपूर

सोशल मीडिया पर हाल ही में एक थ्रोबैक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें करीना ने फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की भूमिका पर बात की। इस वीडियो में, उन्होंने कहा, आदर्श भूमिका? असल में मेरी कोई आदर्श भूमिका नहीं है। जब तक भूमिका अच्छी है, तब तक सब ठीक है। उन्होंने यह भी कहा कि यह एक पुरुष प्रधान इंडस्ट्री है और उन्हें दमदार भूमिकाओं की तलाश है, जैसे कि उन्होंने अपनी पहली फिल्म रिफ्यूजी में निभाई थी। करीना ने 2000 में अभिषेक बच्चन के साथ रिफ्यूजी से अपने करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें बेस्ट डेब्यूटेंट (फीमेल) का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। इसके बाद उन्होंने मुझे कुछ कहना है, यादें, कभी खुशी कभी गम..., तलाश- द हंट बिगिन्स..., और ओमकारा जैसी कई हिट फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवाया। 2004 में, उन्होंने चमेली फिल्म में एक सेक्स वर्कर का रोल निभाया, जिसने उन्हें नई पहचान दी। इस फिल्म में उनकी अदाकारी को क्रिटिक्स ने सराहा और उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए दो क्रिटिक्स अवार्ड भी जीते। उनके करियर की बढ़ती ऊंचाइयों में इम्तियाज अली की जब वी मेट का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसने उनकी अदाकारी को और अधिक निखारा। करीना की व्यक्तिगत जिंदगी भी चर्चा का विषय रही है। 16 अक्टूबर 2012 को उन्होंने सैफ अली खान से शादी की। शादी के बाद, करीना ने कहा कि अपने नाम में खान जोड़ने के बावजूद, वह अपने हिंदू धर्म का पालन करना जारी रखेंगी। उनके दो बेटे, तैमूर और जहांगीर, हैं, जिनके साथ वह अक्सर क्वालिटी टाइम बिताती नजर आती हैं। करीना कपूर खान ने यह साबित किया है कि वह न केवल एक उत्कृष्ट अभिनेत्री हैं, बल्कि एक मजबूत आवाज़ भी हैं जो समाज में बदलाव लाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने हमेशा अपने विचारों को व्यक्त किया है और इस पुरुष प्रधान इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है। उनके अनुयायी उन्हें सिर्फ एक अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक महिला के रूप में भी देखते हैं। करीना का यह सफर दर्शाता है कि एक महिला अपने सपनों को पूरा करने के लिए कितनी मेहनत कर सकती है और समाज में अपनी पहचान बना सकती है। बता दें कि करीना कपूर खान, बॉलीवुड की एक प्रमुख और प्रतिष्ठित अभिनेत्री, ने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन उन्होंने हर बार अपने अभिनय और व्यक्तिगत विचारों से अपनी पहचान बनाई है।

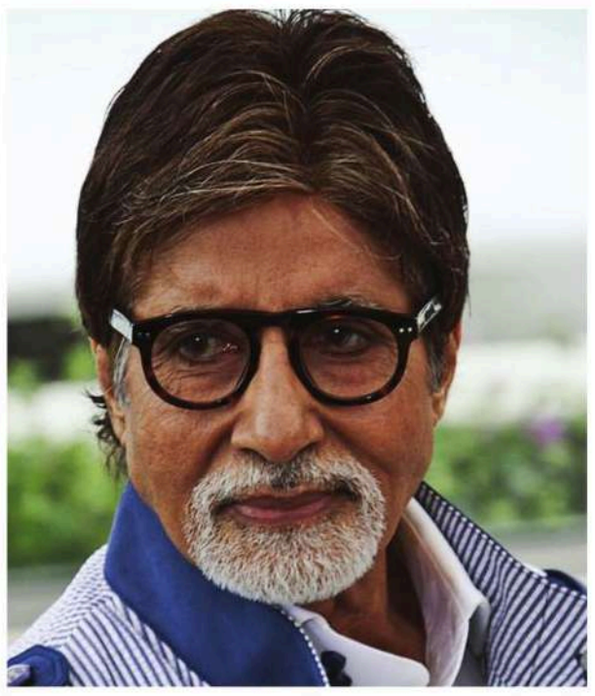

रावण के रथ में घोड़े नहीं, बल्कि गधे जुते होते थे: अमिताभ बच्चन

हाल ही में जारी लोकप्रिय क्विज़ रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति- सीजन 16 के प्रोमो में अमिताभ बच्चन ने पौराणिक महाकाव्य रामायण से जुड़े एक दिलचस्प तथ्य का जिक्र किया है, जिसमें गधों की महत्ता को उजागर किया गया है। अमिताभ बच्चन ने एक बार फिर अपनी बुद्धिमता और अनोखे विचारों से दर्शकों का ध्यान खींचा है। वह गधों को कर्मयोगी मानते हैं और इस पर चर्चा करने वाले हैं अगले एपिसोड में अपने लोकप्रिय क्विज़ रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति- सीजन 16 में। हाल ही में जारी शो के प्रोमो में अमिताभ ने कहा, बहुत से लोग पुष्पक विमान के बारे में जानते हैं, लेकिन रावण के पास कई जादूई वस्तुएं थीं, जिनमें से एक ऐसा रथ था जो हवा में उड़ सकता था। गधे मेहनती जीव होते हैं, इसलिए ज्यादातर लोग केवल पुष्पक विमान के बारे में जानते हैं। उन्होंने आगे यह भी कहा कि गधों के बारे में अनाप-शनाप बोलने वालों को यह समझना चाहिए कि उन्हें कर्मयोगी जानवर माना जाता है, जो अत्यधिक मेहनत करते हैं। अमिताभ ने गधों का संदर्भ रामायण में उनके उल्लेख के साथ दिया है, जहां रावण के रथ में घोड़े नहीं, बल्कि गधे जुते होते थे। इस जानकारी के माध्यम से उन्होंने गधों की मेहनती प्रवृत्ति को बताया और दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर किया कि गधे को अक्सर गलत समझा जाता है। अमिताभ बच्चन की उम्र 81 साल है, लेकिन वह अब भी बड़े पर्दे पर छाए हुए हैं। हाल ही में उन्होंने नाग अश्विन की फिल्म कल्कि 2898 एडी में अमर अश्वत्थामा की भूमिका निभाई। इस साइ-फाई थ्रिलर में प्रभास, दीपिका पादुकोण, कमल हासन, और अन्य प्रमुख कलाकार शामिल हैं। अमिताभ की अगली बड़ी फिल्म वेट्टाइयां है, जिसका निर्देशन टीजे ज्ञानवेल ने किया है। यह फिल्म 10 अक्टूबर, 2024 को रिलीज़ होने वाली है और इसमें मंजू वारियर, राणा दग्गुबाती, फहद फासिल और अन्य प्रमुख भूमिकाओं में होंगे।

अनुष्का सेन ने रच दिया नया इतिहास

हाल ही में न्यूयॉर्क शहर के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर मंच पर लाइव प्रदर्शन करने वाली पहली भारतीय कलाकार बनकर अनुष्का सेन ने एक नया इतिहास रच दिया है। इस उपलब्धि पर बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि चुनौतियां माध्यम में नहीं हैं, चुनौतियां खुद पर थोपी गई हैं। आप अपनी सीमा तय कर सकते हैं, आप अपनी चुनौतियां तय कर सकते हैं, यही आपको आप बनाता है। एक टीवी कलाकार और एक डिजिटल क्रिएटर होने की सीमाएं टूट गई हैं। हमने अभी बदलाव होते देखा है ।हाल ही में अभिनेत्री अनुष्का सेन ने टेलीविजन से डिजिटल मीडिया में अपने परिवर्तन के अनुभव साझा किए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक टीवी कलाकार और डिजिटल निर्माता के रूप में उन्हें अपने काम में अधिक रचनात्मकता और स्वतंत्रता मिली है। अपने करियर के बारे में बात करते हुए अनुष्का ने कहा, मैं सभी अवसरों के लिए बहुत आभारी हूं। मैं लगभग 14-15 वर्षों से इंडस्ट्री में हूं। मैंने अपने घर से ज्यादा समय सेट पर बिताया है। मुझे बहुत खुशी होती है कि मैं कुछ ऐसा कर रही हूं, जो मुझे पसंद है। प्रशंसकों ने हमेशा मुझ पर बहुत प्यार बरसाया है। अनुष्का ने अपने सफर को अलग और अनोखी बताया, जिसमें उन्होंने कई प्रयोग किए हैं। उन्होंने कहा, मैंने टीवी फेस्टिवल, फिल्में और डिजिटल प्रोजेक्ट्स में भी हाथ आजमाया है। सिंगिंग एक ऐसा क्षेत्र है, जो मैंने पहले कभी पेशेवर रूप से नहीं किया था। इस साल मैंने इसे एक पेशे के रूप में अपनाया है। अनुष्का ने बालवीर में मेहर और बाल सखी की भूमिका निभाई थी और खूब लड़ी मर्दानी-झांसी की रानी में मणिकर्णिका का किरदार भी निभाया था। इसके अलावा, उन्होंने फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 11 में भी भाग लिया, जिसमें अर्जुन बिजलानी विजेता बने। उनकी हालिया परियोजनाओं में क्रेजी कुक्कड़ फैमिली और एम आई नेक्स्ट जैसी फिल्में शामिल हैं। अनुष्का को आखिरी बार वेब सीरीज दिल दोस्ती दुविधा में असमारा की भूमिका में देखा गया था, जो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है।

10 से 15 मिनट का समय लगता है मुझे शो के लिए तैयार होने में: सारा खान

सन नियो के लोकप्रिय शो छठी मैया की बिटिया में छोटे परदे की अभिनेत्री सारा खान देवी कृतिकायेन की भूमिका निभा रही हैं। अपने किरदार की तैयारी के बारे में एक्ट्रेस सारा खान ने कुछ रोचक बातें साझा की हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि इस किरदार में नज़र आने के लिए उन्हें कितनी मेहनत करनी पड़ती है, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि उनके तैयार होने में केवल 10 से 15 मिनट लगते हैं। सारा खान ने कहा, चूंकि मैं छठी मैया की बिटिया शो में देवी कृतिकायेन का किरदार निभा रही हूं, इसलिए मेरी पोशाक और गहने भारी और खूबसूरत हैं। मुझे तैयार होने में सिर्फ 10 से 15 मिनट लगते हैं क्योंकि मैं अपना मेकअप कार में ही कर लेती हूं। इससे काम आसान हो जाता है, क्योंकि सेट पर मुझे सिर्फ कपड़े और गहने पहनने होते हैं। जब सारा से पूछा गया कि वह शूटिंग के दौरान भारी गहने और कपड़े कैसे सहन करती हैं, तो उन्होंने कहा, ऐसे भारी गहने कभी-कभी मेरे शरीर पर निशान छोड़ देते हैं और कभी-कभी खुजली का कारण बनते हैं। उनका वजन संभालना भी मुश्किल हो जाता है। लेकिन मुझे अब ऐसे कपड़े पहनने की आदत हो गई है, इसलिए यह मेरे लिए कोई बड़ी बात नहीं है। उन्होंने प्रोडक्शन और सन नियो टीम को धन्यवाद दिया, जिन्होंने उनके लिए इसे जितना संभव हो सके आरामदायक बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। छठी मैया की बिटिया एक दिल को छूने वाला पारिवारिक ड्रामा है, जो एक अनाथ वैष्णवी की कहानी पर आधारित है। बृंदा दहल द्वारा निभाए गए किरदार को छठी मैया (देवोलीना भट्टाचार्जी द्वारा निभाया गया) को अपनी मां मानती है। यह शो अच्छाई की बुराई पर जीत का उत्सव मनाता है और छठी मैया के प्रति श्रद्धा और भक्ति को उजागर करता है, जो अपने भक्तों की सुरक्षा और मार्गदर्शन करती हैं। सारा खान की यह भूमिका दर्शकों के बीच बहुत लोकप्रिय हो रही है, और उनके अभिनय की सराहना की जा रही है।

शाहिद कपूर ने आइफा के मंच किया शानदार प्रदर्शन

हाल ही में अभिनेता शाहिद कपूर ने अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फ़िल्म अकादमी पुरस्कार (आइफा) के मंच पर शानदार प्रदर्शन किया। उनके ऊर्जावान नृत्य ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इतना ही नहीं, इस दौरान उन्होंने अपनी मां नीलिमा अज़ीम की नृत्य प्रतिभा को भी खास सम्मान दिया। शाहिद ने मंच पर उपस्थित दर्शकों को बताया कि उनकी मां नीलिमा एक जीनियस डांसर हैं। उन्होंने कहा, वह वास्तव में एक जीनियस डांसर हैं। मैं उनका एक प्रतिशत भी नहीं हूं। मैं बस खुश हूं कि मेरे अंदर उनका कुछ डीएनए मिला। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे वह अपने जीवन के आरंभिक दिनों में अपनी मां का नृत्य देखते हुए बड़े हुए और यह उनके लिए कितना प्रेरणादायक रहा है। शाहिद ने अपने पहले लाइव प्रदर्शन के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उनका पहला कॉन्सर्ट माइकल जैक्सन का था, जब वह केवल 15 साल के थे। उन्होंने याद करते हुए कहा, मैं अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स गया था। मुझे याद है कि मैंने उनका डांस देख कर महसूस किया था कि यह कितना अद्भुत है। शाहिद ने कहा कि लाइव परफॉर्मेंस उनके लिए एक अनोखा अनुभव है, और वह हमेशा इसे जीने की कोशिश करते हैं। आइफा अवॉर्ड नाइट को और भी खास बनाने के लिए, शाहिद ने प्रसिद्ध कोरियोग्राफर प्रभु देवा के साथ मुकाबला गाने पर डांस किया। यह प्रदर्शन दर्शकों के लिए एक बड़ी सौगात रहा। शाहिद ने बाइक पर एक पावर-पैक एंट्री की, जिससे उनका स्वागत जबरदस्त हुआ। शाहिद का यह प्रदर्शन न केवल उनकी नृत्य प्रतिभा का परिचायक था, बल्कि यह उनके पर्सनल और प्रोफेशनल जीवन के बीच के संबंधों को भी दर्शाता है। उन्होंने अपने दर्शकों से जुड़ने और उनके साथ इस विशेष पल को साझा करने का एक अद्वितीय तरीका अपनाया। इस इवेंट में शामिल होकर, शाहिद कपूर ने अपने फैंस को एक बार फिर से यह एहसास दिलाया कि वह केवल एक अभिनेता नहीं हैं, बल्कि एक उत्कृष्ट परफार्मर भी हैं।

हनी सिंह के जीवन पर बनने जा रही है डॉक्यूमेंट्री

भारतीय रैपर यो यो हनी सिंह के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री बनने जा रही है। इस डाक्यूमेंट्री को लेकर हनी सिंह काफी उत्साहित हैं। उन्होंने हाल ही में एक मजेदार किस्सा शेयर करते हुए बताया कि कैसे वह 2 साल तक करण औजला के मैनेजर को ही करण समझकर बात करते रहे। हनी सिंह ने कहा, मैंने पहले कभी करण औजला से सीधे बात नहीं की थी। मैं उनके मैनेजर से बात करता था और उन्हें ही करण समझ बैठा था। यह सब तब शुरू हुआ जब करण औजला ने हनी सिंह को उनका गाना मेक्सिको भेजा था और उन्हें इसे गाने के लिए कहा। हनी ने कहा, गाना अच्छा था, लेकिन जब मैंने गाने में कुछ तकनीकी बदलाव करने की बात की, तो उनके मैनेजर ने इस पर चर्चा करने से इनकार कर दिया। मुझे अजीब लगा कि आखिर करण मुझसे तकनीकी मुद्दों पर बात क्यों नहीं कर रहे। कुछ दिनों बाद, हनी सिंह को सच्चाई का पता चला जब करण के मैनेजर अल्फाज ने यह खुलासा किया कि वह वास्तव में करण औजला नहीं थे, बल्कि उनके मैनेजर थे। हनी सिंह ने कहा, मुझे यह हरकत बिल्कुल भी पसंद नहीं आई। मैंने उनसे पूछा कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। फिर कुछ दिन पहले अल्फाज ने मेरी असली करण औजला से बात करवाई और मैं समझ गया कि असल में करण कौन हैं।

टमाटर की उन्नत कृषि कार्यमाला

टमाटर अत्यंत ही लोकप्रिय तथा पोषक तत्वों से युक्त फलदार सब्जी है। जिसका उपयोग साल भर किया जाता है। सब्जी के अलावा उससे सूप, चटनी, सलाद, आदि के रूप में भी उपयोग किया जाता है। विटामिन व अन्य खाद्य पदार्थ उपयुक्त मात्रा में पाये जाते हैं।

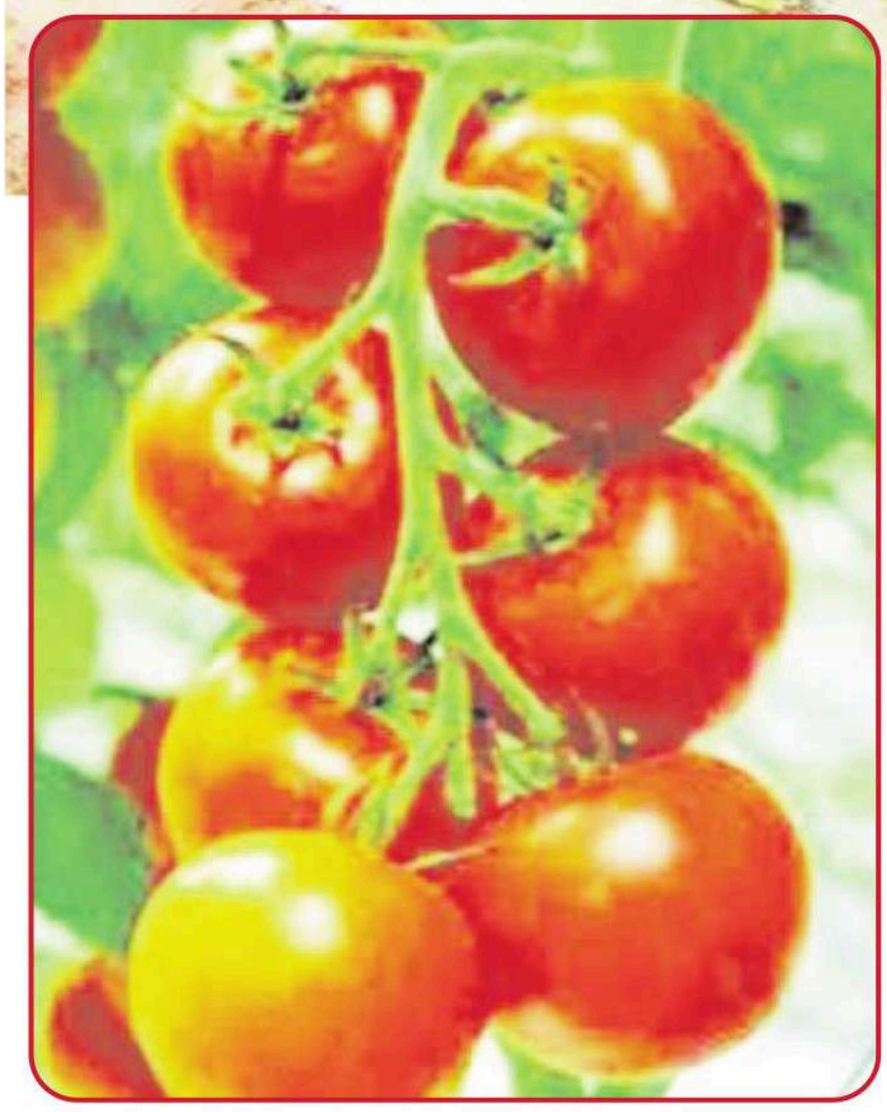

भूमि- टमाटर की खेती कई किस्मों की मिट्टी में की जाती है लेकिन अच्छी जल निकासी चिकनी मृदा तथा दोमट मिट्टी सर्वोत्तम है।

खेत की तैयारी :- प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद 2-3 बार कल्टीवेटर या हैरो चलाना चाहिए ताकि भूमि की निचली कठोर परत टूट जाए। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाना चाहिए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए।

उन्नतशील किस्में :- पूसा रूबी, पन्त टी-1 पंजाब छुआरा, अर्का विकास, पूसा अर्ली ड्वार्फ आदि।

बीज दर:- देशी - 400-500 ग्राम/ हेक्टेयर संकर - 100 ग्राम / हेक्टेयर

पौध तैयार करना (नर्सरी):- वर्षा ऋतु में 10 सें.मी. ऊंची क्यारी तैयार कर उसमें बीज बोना चाहिए। बीज कतारों में बोना चाहिए।

बीजोपचार :- बीज को बोने से पूर्व थायरम या बाविस्टिन से 2 ग्राम/ किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।

बुआई का समय :- खरीफ- जून-जुलाई, शीत -अक्टूबर- नवम्बर

रोपण :- क्यारियों में जब पौधे 4 से 5 सप्ताह के हो जाएं या 7 से 10 सें.मी. के हो जाएं तब खेत में रोपित करना चाहिए। पौध रोपण के पश्चात् तुरन्त हल्की सिंचाई करनी चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधा लगाएं।

पौध अन्तरण:- कतार से कतार की दूरी 75 सें.मी. एवं पौध से पौध की दूरी 60 सें.मी. रखना चाहिए।

उर्वरक की मात्रा :- गोबर खाद 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय मिलाना चाहिए। यूरिया 217 किलो प्रति हेक्टेयर, तीन भागों में देना चाहिए। पहला भाग, पौध रोपण के समय तथा दूसरा भाग एवं तीसरा भाग 30 दिन के अन्तर से देना चाहिए। एस.एस.पी. 500 किलो/ हेक्टेयर व पोटाश 100 किलो प्रति हेक्टेयर पौध रोपण के समय देना चाहिए।

सिंचाई :- टमाटर में अधिक तथा कम सिंचाई दोनों ही हानिकारक हैं। शरद ऋतु में 10 से 12 दिन के अन्तर तथा गर्मी में 4-5 दिन के अन्तर में भूमि के अनुसार सिंचाई की जा सकती है।

निंदाई गुड़ाई :- टमाटर की फसल को खरपतवारों से मुक्त रखने के लिए निरंतर निंदाई-गुड़ाई करते रहना आवश्यक है। गुड़ाई उथली करनी चाहिए जिससे जड़ों को नुकसान न पहुंचे। 30-40 दिन बाद पौधों पर मिट्टी चढ़ा देना चाहिए।

वृद्धि नियामकों का प्रयोग :- वृद्धि नियामकों का प्रयोग फूलों को झड़ने से रोकने तथा बिना निषेचन के फलों को विकास के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। पी. सी.पी.ए. 50-100 पी. पी. एम. (50-100 मि.ग्रा./ लीटर पानी में घोलना है) के घोल का छिड़काव लाभकारी होता है।

सहारा देना :- ऊंचाई व मध्यम ऊंचाई वाली किस्मों को पेड़ की टहनियां (बांस) की सहायता से सहारा देना चाहिए, ऐसा करने से पौधे की वृद्धि अच्छी होती है, वर्षा ऋतु में फल तथा पेड़ सड़ते नहीं हैं। फलों का आकार बढ़ जाता है तथा पैदावार भी अधिक होती है।

फलों की तुड़ाई :- टमाटर के फसल की तुड़ाई कई अवस्थाओं में की जाती है-

कच्चे या हरे फल :- टमाटर को अधपके हरे से गुलाबी पड़ने पर तब तोड़ा जाता है जब इसे दूर स्थित बाजारों में विपणन हेतु भेजना होता है।

गुलाबी या हल्के लाल फल:- टमाटर को गुलाबी या हल्के लाल होने की अवस्था में तब तोड़ा जाता है जब इसे स्थानीय बाजारों में भेजना होता है।

पके हुए टमाटर :- फलों का अधिकतम भाग लाल होता है व नरम होता है ऐसे फल घरेलू उपयोग या कच्चे सलाद खाने के काम आते हैं।

अधिक पके टमाटर :- बीज उत्पादन के लिए लाल फल आदर्श माने जाते हैं। फल परीरक्षण के लिए भी अधिक पके टमाटर अच्छे माने जाते हैं।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

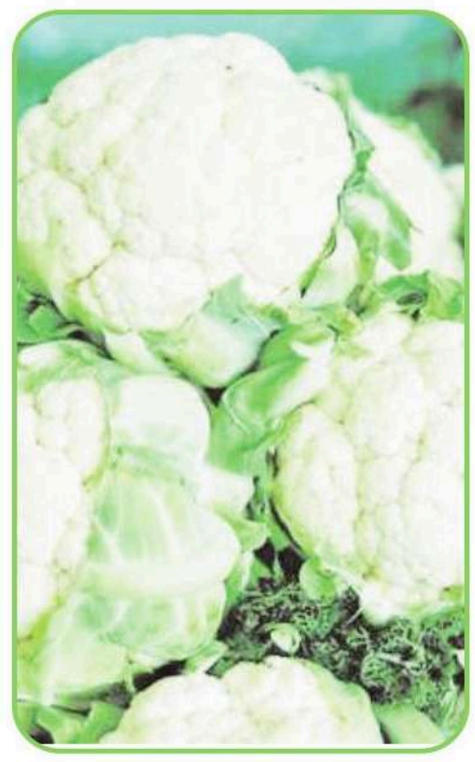

भूरापन या ब्राउनिंग - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिेट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

अन्धता - अन्धता गोभीवर्गीय फसलों से पौधे की वृद्धि के शुरूआत मुख्य कलिका में कीट के प्रकोप के कारण तथा वातावरण में तापमान में कमी होने वाला पाला पड़ने के कारण होता है।

लक्षण - अन्धता में पौधे की मुख्य कलिका कीट के कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है तथा इसके पत्ते बड़े, चमड़े जैसे मोटे और गहरे रंग के हो जाते हैं।

उपचार - अन्धता की रोकथाम के लिए मुख्य कलिका को कीटों से क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिये कीटनाशक का प्रयोग करना चाहिए, उचित किस्म का चयन करना चाहिए।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।
किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267